भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1291

09 फरवरी, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आयुर्वेद को बढ़ावा देना

1291. श्री बृजेन्द्र सिंह:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने आयुर्वेद को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक रणनीति तैयार की है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य नीतियों और सहयोगों में आयुर्वेद को शामिल करने के लिए अन्य देशों के साथ राजनयिक सहयोग में संलग्न है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ङ) क्या सरकार वैश्विक चिकित्सा समुदाय में आयुर्वेद की वैज्ञानिक विश्वसनीयता और स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए इसमें अनुसंधान और विकास हेतु सहायता प्रदान कर रही है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

<u>उत्तर</u>

आयुष मंत्री (श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) और (ख): आयुष स्वास्थ्य परिचर्या पद्धति के प्रचार-प्रसार के अधिदेश को पूरा करने की दृष्टि से मंत्रालय आयुष में सूचना, शिक्षा एवं संचार (आईईसी) के संवर्धन के लिए केन्द्रीय क्षेत्र योजना कार्यान्वित करता है। इस योजना के तहत, मंत्रालय राष्ट्रीय/राज्य स्तरीय आरोग्य मेलों, योग फेस्ट/उत्सवों, आयुर्वेद पर्वों का आयोजन करता है, आयुष पद्धति के महत्वपूर्ण दिवसों का आयोजन करता है, स्वास्थ्य फेयर/मेलों, प्रदर्शनियों आदि में भाग लेता है, सेमिनारों, कार्यशालाओं, सम्मेलनों के आयोजन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है और स्वास्थ्य परिचर्या और उपचार की आयुष पद्धति के बारे में नागरिकों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए मल्टीमीडिया अभियान आदि आयोजित करता है।

इसके अतिरिक्त, मंत्रालय देश में आयुष पद्धति के विकास और संवर्धन के लिए राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के माध्यम से राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केन्द्रीय प्रायोजित योजना कार्यान्वित कर रहा है और उनकी राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) में प्राप्त प्रस्ताव के अनुसार उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारें एनएएम दिशानिर्देशों के अनुसार राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) के माध्यम से प्रस्ताव प्रस्तुत करके वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकती हैं।

आयुष मंत्रालय ने आयुष में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक केंद्रीय क्षेत्र योजना (आईसी स्कीम) भी विकसित की है जिसके तहत वैश्विक स्तर पर आयुर्वेद सहित आयुष के प्रचार और प्रसार के लिए विभिन्न गतिविधियों/पहलों अर्थात भारत में मान्यता प्राप्त आयुष संस्थानों में आयुष पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए विदेशी नागरिकों को आयुष छात्रवृत्ति प्रदान करना; आपसी हित पर आयुष से संबंधित गतिविधियों को शुरू करने के लिए देश स्तर के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करके विदेशों के साथ सहयोग; अनुसंधान/अकादमिक सहयोग के लिए विदेशी संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापनों पर

हस्ताक्षर; विदेशी विश्वविद्यालयों/संस्थानों में आयुष पीठों की स्थापना; आयुष विशेषज्ञ की प्रतिनियुक्ति (अल्पकालिक/दीर्घकालिक); आयुष के क्षेत्र में सहयोग, अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण का समर्थन या आयोजन के लिए डब्ल्यूएचओ या संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के साथ सहयोग; अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयुष चिकित्सा पद्धति के बारे में जागरूकता और रुचि को बढ़ावा देने और मजबूत करने के लिए भारत या विदेश में सम्मेलन, संगोष्ठी, एक्सपो आदि; आयुष पद्धति के बारे में प्रामाणिक जानकारी प्रदान करने के लिए विदेशों में आयुष सेल (केंद्र) की स्थापना; विभिन्न बहुपक्षीय मंचों जैसे- ब्रिक्स, एससीओ, जी 20, आईबीएसए, आसियान, बिम्सटेक आदि में आयुष का प्रतिनिधित्व करना, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयुष में नैदानिक अनुसंधान करने के लिए समर्थन आदि को शुरू किया गया है या की जा रही हैं।

(ग) और (घ): भारत सरकार का आयुष मंत्रालय लगातार देशों और मंचों के साथ द्विपक्षीय और बहुपक्षीय संवाद में लगा हुआ है। आयुर्वेद और अन्य आयुष चिकित्सा पद्धतियों के प्रचार, संवर्धन और मान्यता के प्रयास के साथ, आयुष मंत्रालय ने 23 देशों अर्थात बांग्लादेश, हंगरी, त्रिनिदाद और टोबैगो, मलेशिया, मॉरीशस, मंगोलिया, तुर्कमेनिस्तान, म्यांमार, जर्मनी, ईरान, साओ टोम और प्रिंसिप, इक्वेटोरियल गिनी, क्यूबा, कोलंबिया, बोलीविया, गाम्बिया, गिनी गणराज्य, चीन, सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस, जिम्बाब्वे, सूरीनाम, ब्राजील, नेपाल और डब्ल्यूएचओ मुख्यालय, जिनेवा के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं।

(ङ) और (च): आयुष मंत्रालय, भारत सरकार आयुष में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए अपनी केंद्रीय क्षेत्र योजना (आईसी स्कीम) के तहत, वैश्विक चिकित्सा समुदाय में अपनी वैज्ञानिक विश्वसनीयता और स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए आयुर्वेद में अनुसंधान और विकास के लिए सहायता प्रदान कर रहा है। मंत्रालय आयुर्वेद में अनुसंधान सहयोग के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर करता है। अब तक, आयुर्वेद में अनुसंधान/शैक्षिक सहयोग करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ 30 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

वैश्विक चिकित्सा समुदाय में अपनी वैज्ञानिक विश्वसनीयता और स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए, आयुष मंत्रालय ने लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन (एलएसएचटीएम), यूके और फ्रैंकफर्टर इनोवेशनसेंट्रम बायोटेक्नोलॉजी जीएमबीएच (एफआईजेड), फ्रैंकफर्ट, जर्मनी को समझौतों पर हस्ताक्षर के माध्यम से आयुर्वेद चिकित्सा पर सहयोगी अनुसंधान करने के लिए सहायता प्रदान की।

*****